सत्र 2026–27 से लागू

एम॰ए॰ प्रथम सेमेस्टर (द्विवर्षीय)

First Semester for 2-year P.G. program

Course category	Semester-I		Credits
Discipline Specific Core (DSC)	DSC-1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से भक्तिकाल तक)	5
	DSC-2	भारतीय काव्यशास्त्र	5
	DSC-3	हिंदी कथा साहित्य	5
SEC	SEC-1	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा-(I)	5
Discipline Specific Elective (DSE)	DSE-1	i. कबीर ii. जायसी	4
अथवा			
Multidisciplinary Elective (M.D.E)	M.D.E-1	i. साहित्य का समाजशास्त्र ii. हिंदी प्रवासी साहित्य	4
		Total Credits	24

एम॰ए॰ द्वितीय सेमेस्टर (द्विवर्षीय)

Second Semester for 2-year P.G. program

Course category	Semester-II		Credits
Discipline Specific Core (DSC)	DSC-4	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल से अब तक)	5
	DSC-5	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5
	DSC-6	हिंदी कथेत्तर गद्य	5
SEC	SEC-2	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा-(II)	5
Discipline Specific Elective (DSE)	DSE-2	i. सूरदास ii. तुलसीदास	4
अथवा			
Multidisciplinary Elective (M.D.E)	M.D.E-2	i. जनपदीय [redacted] साहित्य ii. कंप्यूटर और हिंदी	4
		Total Credits	24

30-05-2026 Rohit Kumar 30/5/2026 30/5/26 30/5/26 30/05/26

प्रो० गुड्डी बिष्ट
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी वि...
...केन्द्रीय वि० वि० श्री...

TWO-YEAR PG

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर (द्विवर्षीय)

Third Semester for 2-year P.G. program

Course category	Semester-III		Credits
Discipline Specific Core (DSC)	DSC-7	हिमालयी साहित्य एवं संस्कृति	5
	DSC-8	हिंदी आलोचना	5
	DSC-9	आधुनिक हिंदी कविता	5
	DSC-10	हिंदी नाटक और रंगमंच	5
Discipline Specific Elective (DSE)	DSE-3	i. जयशंकर प्रसाद ii. चंद्रकुंवर बर्त्वाल	4
अथवा			
Multidisciplinary Elective (M.D.E)	M.D.E-3	i. हिंदी यात्रा साहित्य ii. सृजनात्मक लेखन	4
		Total Credits	24

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (द्विवर्षीय)

Fourth Semester for 2-year P.G. program

Course category	Semester-IV		Credits
Discipline Specific Core (DSC)	DSC-11	प्रयोजनमूलक हिंदी	5
	DSC-12	हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	5
	DSC-13	समकालीन हिंदी कविता	5
	DSC-14	लोक साहित्य अथवा लघुशोध / परियोजना कार्य	5
Discipline Specific Elective (DSE)	DSE-4	i. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ii. गौरा पंत 'शिवानी'	4
अथवा			
Multidisciplinary Elective (M.D.E)	M.D.E-4	i. भारतीय साहित्य ii. हिंदी भाषा शिक्षण	4
		Total Credits	24

30.05.2026 Rohit Kumar 30/5/26 30/5/26 30/05/26

प्रो० गुड्डी बिष्ट
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
केन्द्रीय वि० वि० श्रीनगर (गढ़)

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
पहला प्रश्नपत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से भक्तिकाल तक)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 5

इकाई–1

- हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा
- हिंदी साहित्य का इतिहास काल विभाजन और नामकरण

इकाई–2

- हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि
- आदिकाल की प्रमुख परिस्थितियां (सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक)
- सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य
- रासो साहित्य, आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियां
- लौकिक साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं

इकाई–3

- पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं सीमांकन
- परिवेश (राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति)
- भक्ति आंदोलन
- विभिन्न काव्यधाराएं एवं वैशिष्ट्य

इकाई–4

- निर्गुण एवं सगुण भक्ति काव्य, निर्गुण भक्ति का स्वरूप
- संत काव्यधारा
- निर्गुण भक्ति धारा के प्रमुख कवि
- सूफी काव्य का स्वरूप प्रवृत्तियां एवं प्रमुख कवि
- रामभक्ति शाखा एवं कृष्ण भक्ति शाखा की प्रवृत्तियां एवं प्रमुख कवि

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ0 नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1973
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, जनवरी–2009
3. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, 2008
4. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, 2015
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, 2018
6. साहित्य का इतिहास–दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, अनन्या प्रकाशन, 2022

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
दूसरा प्रश्नपत्र – भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 5

इकाई–1

- काव्य का स्वरूप
- काव्य–लक्षण, काव्य के तत्व
- काव्य–प्रयोजन, काव्य–हेतु एवं काव्य–सृजन की प्रक्रिया
- काव्य की आत्मा

इकाई–2

- रस की परिभाषा, रस के अवयव एवं प्रकार
- रस–निष्पत्ति एवं रस–सूत्र की व्याख्या
- रसानुभूति की प्रक्रिया एवं स्वरूप
- साधारणीकरण एवं सहृदय की स्थिति

इकाई–3

- अलंकार सिद्धांत
- अलंकारों का वर्गीकरण
- रीति–सिद्धांत
- रीति– अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- रीति के प्रमुख भेद
- रीति और शैली का काव्यात्मा से संबंध

इकाई–4

- ध्वनि–सिद्धांत
- ध्वनि का अर्थ, लक्षण और स्वरूप
- काव्यात्मा के रूप में ध्वनि
- ध्वनि तथा रस–सिद्धांत का अंतःसंबंध

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. रस–मीमांसा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, साहित्य सरोवर ऑरिजिनल ब्लैक क्लासिक, 2026
2. रस–सिद्धांत डॉ0 नगेंद्र, नेशनल पेपरबैक्स, 2023
3. भारतीय काव्यशास्त्र, भगीरथ मिश्र, विजय प्रकाशन मंदिर प्राइवेट लिमिटेड, 2022
4. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेंद्र, नेशनल पेपरबैक्स, 2023
5. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज, राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, 2006
6. भारतीय काव्यशास्त्र, डॉ0 विश्वंभरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, 2019
7. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन, अशोक प्रकाशन, 2025
8. साहित्य का स्वरूप, नित्यानंद तिवारी, वाणी प्रकाशन।
9. भारतीय काव्यशास्त्र, निशा अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, 2015

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
तीसरा प्रश्नपत्र – हिंदी कथा साहित्य

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 5

इकाई–1

- कहानी – अर्थ, स्वरूप एवं विकास
- उपन्यास – अर्थ स्वरूप एवं विकास

इकाई–2

- उपन्यास
  - तमस (तमस, राजकमल प्रकाशन, 2017)
- कहानी
  - परदा – यशपाल (यशपाल– प्रतिनिधि कहानियां, राजकमल प्रकाशन, 2022)
  - ठाकुर का कुआँ – प्रेमचंद (ठाकुर का कुआँ तथा अन्य कहानियां, डायमंड बुक्स 2024)
  - परिंदे – निर्मल वर्मा (परिंदे, वाणी प्रकाशन, 2023)

इकाई–3

- उपन्यास
  - शेखर : एक जीवनी, भाग 1 एवं 2 (राजकमल प्रकाशन, 2018)
- कहानी
  - अपना-अपना भाग्य – जैनेंद्र (प्रतिनिधि कहानियां, जैनेंद्र कुमार, किताबघर प्रकाशन, 2018 में संकलित)
  - रोज – अज्ञेय (प्रतिनिधि कहानियां, अज्ञेय, किताबघर प्रकाशन में संकलित)
  - आहुति – इलाचंद्र जोशी (मेरी प्रिय कहानियां, इलाचंद्र जोशी, राजपाल एंड सन्स, 1970 में संकलित)

इकाई–4

- उपन्यास
  - आपका बंटी – मन्नू भंडारी (राधाकृष्ण प्रकाशन, 2009)
- कहानी
  - ललमनियाँ – मैत्रेयी पुष्पा (ललमनियाँ तथा अन्य कहानियां, राजकमल प्रकाशन, 2015)
  - घुसपैठिए – ओमप्रकाश वाल्मीकि (घुसपैठिए, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2016 में संकलित)
  - बिंदा महाराज – शिवप्रसाद सिंह (शिवप्रसाद सिंह की लोकप्रिय कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, 2022)

इकाई–5

- उपन्यास
  - नौकर की कमीज – विनोद कुमार शुक्ल (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1979)
- कहानी
  - पॉलगोमरा का स्कूटर – उदय प्रकाश (पॉलगोमरा का स्कूटर, वाणी प्रकाशन, 2017 में संकलित)
  - वापसी – उषा प्रियंवदा (उषा प्रियंवदा– प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, 2018)
  - भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई (एक दुनिया– समानांतर, सं. राजेंद्र यादव, 2019)

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी कहानी का इतिहास (भाग–1,2,3), गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, संस्करण, 2024
2. हिंदी उपन्यास का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, 8वां संस्करण, 2025
3. आज का हिंदी उपन्यास, इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, प्रथम संस्करण, 1966
4. कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, 2006
5. एक दुनिया : समानांतर, राजेंद्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, 33वाँ संस्करण, 2025
6. आधुनिक कथा साहित्य, गंगा प्रसाद पांडेय, प्रमोद पुस्तक माला, प्रयागराज, 1944
7. दलित चेतना–सोच, मैनेजर पांडेय, सं. रमणिका गुप्ता, शिल्पायन प्रकाशन, 2014
8. उत्तर आधुनिकता – साहित्य और संस्कृति की नई सोच, देवेंद्र इस्सर, इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, 1996
9. उत्तर आधुनिकता – रवि श्रीवास्तव।

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
चौथा प्रश्नपत्र – भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (I)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 5

इकाई–1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विशेषताएं
- भाषा परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण
- भाषा संरचना और भाषा प्रकार्य
- भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएं – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक

इकाई–2 : स्वन–विज्ञान

- स्वन–विज्ञान का स्वरूप एवं शाखाएं
- वाक्–अवयव और उनके कार्य
- स्वन की अवधारणा एवं स्वनों का वर्गीकरण
- स्वन परिवर्तन के कारण और दिशाएं

इकाई–3 : स्वनिम विज्ञान

- स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद
- स्वनिमिक विश्लेषण, हिंदी की स्वनिम व्यवस्था

इकाई–4 : रूपिम विज्ञान एवं वाक्य विज्ञान

- रूपिम विज्ञान : रूप–प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएं
- रूपिम की अवधारणा, भेद, शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व एवं अर्थ तत्व
- वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद और वाक्य–विश्लेषण

इकाई–5 : अर्थ विज्ञान एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता

- अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा
- शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं
- कृत्रिम बुद्धिमता और भाषा का संबंध, व्याकरणिक रूप से कृत्रिम बुद्धिमता की स्वीकारोक्ति

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. देवेंद्र नाथ शर्मा, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2015
2. भोलानाथ तिवारी, भाषा विज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 2022
3. नरेश मिश्र, भाषा और भाषा विज्ञान, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली, 2000
4. कपिल देव द्विवेदी, भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2012
5. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ।
6. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2025
7. हरीशचंद्र वर्मा, भाषा और भाषा विज्ञान, लक्ष्मी प्रकाशन, रोहतक।
8. नमिता मिश्रा, हिंदी भाषा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शुभम पब्लिकेशन, कानपुर, 2025

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
पांचवां प्रश्नपत्र – कबीर (विकल्प–1)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 4

इकाई–1

- निर्गुण भक्ति का स्वरूप
- भक्ति आंदोलन और संत साहित्य
- कबीर साहित्य और हिंदी आलोचना (कबीर के प्रमुख्य आलोचक)

इकाई–2

- कबीर–ग्रंथावली (श्यामसुंदर दास)
  - साखी – गुरुदेव कौ अंग – 3, 8, 13
  - सुमिरण कौ अंग – 5, 9, 29, 32
- बिरह कौ अंग – 3, 18 (माया कौ अंग) – 11, 12 राग गौड़ी (पद) – 1, 16, 24, 43

इकाई–3

- कबीर का जीवन और युगीन परिवेश
- कबीर और भक्ति
- कबीर का दर्शन और रहस्यवाद

इकाई–4

- कबीर की सामाजिक चेतना
- कबीर की काव्य–भाषा
- कबीर साहित्य की प्रासंगिकता

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या भाग सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. कबीर ग्रंथावली : श्यामसुंदर दास, इंडियन प्रेस, प्रयागराज।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. कबीर : विजेंद्र स्नातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी, भारती भंडार, लीडर प्रेस, प्रयागराज।
6. हिंदी काव्य की निर्गुण–धारा : पीतांबर दत्त बड़थ्वाल, तक्षशिला प्रकाशन, अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ।
7. अकथ कहानी प्रेम की : पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. भक्तिकाव्य परंपरा और कबीर : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
पांचवां प्रश्नपत्र – जायसी (विकल्प–2)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 4

इकाई–1

- सूफी दर्शन : अवधारणा और स्वरूप
- हिंदी में सूफी काव्य परंपरा

इकाई–2

- जायसी का जीवन और रचना संसार
- जायसी और हिंदी प्रेमाख्यानक काव्य परंपरा

इकाई–3

- जायसी : पद्मावत कथावस्तु, अन्योक्ति–समासोक्ति, समन्वयवादी चेतना, वस्तु–वर्णन
- ऐतिहासिकता एवं कल्पना, काव्यरूप और लोकजीवन, जायसी की भाषा

इकाई–4

- पद्मावत : मानसरोवर खंड
- पद्मावत : नागमती वियोग खंड

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. जायसी ग्रंथावली : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत, डॉ0 वासुदेवशरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन।
3. सब लिखनि कै लिखु संसारा : पद्मावत और जायसी की दुनिया : प्रो0 मुजीब रिजवी, राजकमल प्रकाशन।
4. जायसी : विजयदेव नारायण साही, साहित्य अकादमी।
5. पद्मावत का काव्यशास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।
6. जायसी का काव्य – डॉ0 गोविंद त्रिगुणायत।
7. कवि जायसी – डॉ0 माताप्रसाद गुप्त, हिंदुस्तानी एकेडेमी।
8. जायसी और सूफी काव्य–परंपरा – डॉ0 शिवकुमार शर्मा।

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
छठा प्रश्नपत्र – साहित्य का समाजशास्त्र (विकल्प–1)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 4

इकाई–1 : साहित्य का समाजशास्त्र

- साहित्य और समाज की अवधारणा
- साहित्य और समाजशास्त्र का अंतर्संबंध
- साहित्य के समाज शास्त्र की प्रमुख दृष्टियां

इकाई–2 : साहित्य के समाजशास्त्रीय सिद्धांत

- मार्क्सवादी साहित्यिक दृष्टि
- संरचनावाद एवं उत्तर संरचनावाद
- सांस्कृतिक अध्ययन
- उत्तर आधुनिकता
- साहित्यिक विमर्श

इकाई–3 : हिंदी साहित्य की विविध विधाओं का समाजशास्त्रीय अध्ययन

- हिंदी कविता का समाजशास्त्र
- हिंदी कहानी का समाजशास्त्र
- हिंदी उपन्यास का समाजशास्त्र
- हिंदी नाटक का समाजशास्त्र

इकाई–4 : लोकप्रिय साहित्य बाजार और मीडिया

- बाजारवाद और साहित्य
- वैश्वीकरण और सांस्कृतिक परिवर्तन
- प्रवासी साहित्य का समाजशास्त्र
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साहित्य

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – डॉ0 मैनेजर पांडेय, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला–2006
2. साहित्य का समाजशास्त्र – श्रीराम मेहरोत्रा, रचना प्रकाशन वाराणसी, द्वितीय संस्करण–1980
3. समाजशास्त्र : अवधारणाएं एवं सिद्धांत – डॉ0 जे.पी. सिंह, PHI Learning Private Limited Delhi–110092, तृतीय संस्करण–2017
4. समाज और साहित्य – आनंद कुमार, हिंदी–मंदिर प्रयाग, प्रथम संस्करण जुलाई–1938
5. साहित्य का समाजशास्त्र – डॉ0 नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. संस्कृति और साहित्य – डॉ0 रामविलास शर्मा, किताबमहल इलाहाबाद।
7. साहित्य का समाजशास्त्र – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन।
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन।
9. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेंद्र (संपादक), नेशनल पब्लिसिंग हाउस–2025
10. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
छठा प्रश्नपत्र – हिंदी प्रवासी साहित्य (विकल्प–2)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 4

इकाई–1

- प्रवासी साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और चुनौतियां, प्रवासी चेतना और साहित्य, प्रवासी साहित्य में भारतीय संस्कृति, समकालीन प्रवासी साहित्य
- गिरमिटिया विमर्श : साहित्य और इतिहास, प्रवासी साहित्य के विविध आयाम : संघर्ष और विस्थापन, सांस्कृतिक द्वंद्व, पहचान की खोज, अस्मिता का स्वर और स्वदेश की याद

इकाई–2

- उपन्यास : लाल पसीना (अभिमन्यु अनत)

इकाई–3

- कहानी :
  - देह की कीमत – तेजेंद्र शर्मा
  - कतरा दर कतरा – सुषम बेदी
  - सांकल – जकिया जुबैरी
  - थोड़ी देर और – शैलजा सक्सेना
  - पिंजरा – नीलम मलकानिया

इकाई–4

- आत्मकथा :
  - फिजी द्वीप में मेरे 21 वर्ष – पंडित तोताराम सनाढ्य

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. सत्यकेतु सांकृत, प्रवासी हिंदी कथा साहित्य : एक मूल्यांकन, हंस प्रकाशन, दिल्ली, 2024
2. डॉ0 विमलेश कांति वर्मा, प्रवासी भारतीय हिंदी साहित्य, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2016
3. डॉ0 नवनीत कौर, प्रवासी हिंदी साहित्य – वैश्विक परिदृश्य, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, चंडीगढ़, 2017
4. डॉ0 कमल किशोर गोयनका, हिंदी का प्रवासी साहित्य, राज प्रकाशन।
5. विश्व हिंदी पत्रिका, 2014
6. प्रवासी जगत (पत्रिका) केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
7. गर्भनाल (पत्रिका)

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
सातवां प्रश्नपत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल से अब तक)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 5

इकाई–1

- उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल, सीमा और नामकरण
- रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियां और विशेषताएं, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएं

इकाई–2

- आधुनिक काल : नामकरण, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, 1857 की राज्यक्रांति एवं पुनर्जागरण, मध्यकालीनता से आधुनिकता की ओर, आधुनिकता, उत्तर आधुनिक विमर्श (संरचनावाद)

इकाई–3

- भारतेंदु युग : परिवेश, साहित्यिक प्रवृत्तियां एवं प्रमुख साहित्यकार
- द्विवेदी युग : साहित्यिक स्वरूप, साहित्यिक प्रवृत्तियां एवं प्रमुख रचनाकार
- छायावादी युग : सीमांकन, नामकरण तथा परिवेश, साहित्यिक प्रवृत्तियां एवं प्रमुख साहित्यकार

इकाई–4

- उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रविधियां : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं एवं साहित्यिक प्रवृत्तियां
- हिंदी गद्य की प्रमुख विधाएं : कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध आदि का उद्‌भव एवं विकास संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा आदि का विकासक्रम

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ0 नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1973
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, जनवरी, 2009
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल, डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, 2008
4. हिंदी साहित्य का उद्‌भव और विकास डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, 2015
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, 2018
6. साहित्य का इतिहास–दर्शन, नलिन विलोचन शर्मा, अनन्या प्रकाशन, 2022

एम॰ए॰ द्वितीय सेमेस्टर
आठवां प्रश्नपत्र – पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 5

इकाई–1

- प्लेटो : काव्य के प्रति दृष्टिकोण एवं काव्य–सिद्धांत
- अरस्तू : विरेचन सिद्धांत एवं त्रासदी विवेचन
- लोंजाइनस उदात्त संबंधी विचार

इकाई–2

- टी.एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा का संबंध, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
- कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत, काव्य–भाषा और कविता
- मैथ्यू अर्नोल्ड : कविता और जीवन, जीवन और समाज, आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

इकाई–3

- आई.ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत
- वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा का सिद्धांत

इकाई–4

- आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियां
- मार्क्सवाद
- अस्तित्ववाद
- संरचनावाद
- उत्तर संरचनावाद
- शैली विज्ञान
- उत्तर आधुनिकता

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. अरस्तू का काव्यशास्त्र, डॉ0 नगेंद्र, हिंदी अनुसंधान परिषद, दिल्ली, 1964
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, डॉ0 तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, 2020
3. नई समीक्षा के प्रतिमान, डॉ0 निर्मला जैन, किताबघर प्रकाशन, 2015
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेंद्रनाथ शर्मा, मयूर बुक्स, 2018
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2009
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास, सिद्धांत और वाद, डॉ0 भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2019

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
नौवां प्रश्नपत्र – हिंदी कथेतर गद्य

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 5

इकाई 01 : कथेतर साहित्य – अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

- कथेतर साहित्य : अवधारणा एवं स्वरूप
- कथेतर साहित्य का उद्‌भव एवं विकास
- कथेतर साहित्य की विशेषताएं
- कथेतर साहित्य और कथा साहित्य में अंतर

इकाई 02 : हिंदी कथेतर गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का सामान्य परिचय

- निबंध
- समालोचना एवं समीक्षा
- संस्मरण
- यात्रा–वृत्तांत
- रेखाचित्र
- जीवनी
- आत्मकथा
- रिपोर्ताज
- पत्र साहित्य
- डायरी
- साक्षात्कार

इकाई 03 : हिंदी की प्रमुख कथेतर रचनाएं– भाग 01

- निबंध : हजारीप्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल
- समालोचना : रामविलास शर्मा – निराला की साहित्य साधना
  (चयनित पाठ– जातीयता और हिंदी, सामाजिक परिवर्तन और साहित्य)
- यात्रा–वृत्तांत : राहुल सांकृत्यायन – घुमक्कड़ ाास्त्र

इकाई 04 : हिंदी की प्रमुख कथेतर रचनाएं– भाग 02

- संस्मरण : रामवृक्ष बेनीपुरी – एक भारतीय आत्मा
- रेखाचित्र : महादेवी वर्मा – 'गिल्लू'
- पत्र साहित्य : मुक्तिबोध के द्वारा कवि एवं आलोचक नेमिचन्द जैन को लिखे दो पत्रों का वि लेशण (26 अक्टूबर और 30 अक्टूबर 1945 के पत्र)

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का कथेतर गद्य : परम्परा और प्रयोग – दयानिधि मिश्र, वाणी प्रका ान
2. हिंदी साहित्य का कथेतर गद्य सर्जना – डॉ सुनील विक्रम सिंह, नमन प्रकाशन
3. हिंदी साहित्य का इतिहास, सं. नगेंद्र, हरदयाल, मयूर बुक्स प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मील के पत्थर, रामवृक्ष बैनीपुरी, सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन
5. अतीत के चलचित्र, महादेवी वर्मा, राजकमल प्रकाशन
6. घुमक्कड़ ाास्त्र राहुल सांकृत्यायन, राजकमल प्रकाशन
7. अशोक के फूल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, सस्ता साहित्य मण्डल
8. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. साहित्यिक विधाएं पुनर्विचार, प्रो हरिमोहन, वाणी प्रका ान, नई दिल्ली

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
दसवां प्रश्नपत्र - भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा (II)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1 : हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ वैदिक एवं लौकिक संस्कृत तथा उनकी विशेषताएँ मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ पालि, प्राकृत (शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी) एवं अपभ्रंश तथा उनकी विशेषताएँ

इकाई-2: आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ एवं वर्गीकरण आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण

- विश्व के भाषा परिवार का संक्षिप्त परिचय हिन्दी का भौगोलिक विस्तार
- सतम् एवं केन्तुम वर्गीकरण
- हिन्दी की उपभाषाएँ-पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ

इकाई-3 : हिन्दी की बोलियाँ और भाषिक स्वरूप

- खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ एवं अंतर हिन्दी का भाषिक स्वरूप हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था- खण्ड्य एवं खण्ड्येतर हिन्दी शब्द रचना उपसर्ग, प्रत्यय, समास

इकाई-4 : रूप रचना एवं वाक्य संरचना

- रूप रचना-लिंग, वचन, कारक व्यवस्था
- हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रियारूप
- हिन्दी वाक्य रचना-पदक्रम एवं अन्विति
- देवनागरी लिपि विशेषताएँ एवं मानकीकरण

इकाई-5 : हिन्दी के विविध रूप, तकनीक और समकालीन परिप्रेक्ष्य

- हिन्दी के विविध रूप सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा
- हिन्दी की संवैधानिक स्थिति
- हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ आंकड़ा संसाधन एवं शब्द-संसाधन
- भाषा के संवर्द्धन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

।. देवेंद्र नाथ शर्मा, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2015
2. भोलानाथ तिवारी, भाषाविज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद, 2022
3. नरेश मिश्र, भाषा और भाषा-विज्ञान, निर्मल प्रकाशन दिल्ली, 2000
4. कपिल देव द्विवेदी, भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2012
5. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ।
6. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2025
7. नमिता मिश्रा, हिन्दी भाषा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, शुभम् पब्लिकेशन, कानपुर, 2025

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र – सूरदास (विकल्प-1)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1

- सगुण भक्ति – अवधारणा और स्वरूप
- कृष्णकाव्य परम्परा और क्रमिक विकास

इकाई-2

- सूरदास – बाललीला वर्णन, वात्सल्य भावना, भक्ति, शिल्पगत वैशिष्ट्य

इकाई-3

- भ्रमरगीत सार (पद संख्या 21 से 50 तक) सं. रामचंद्र शुक्ल
- सूरसागर – दशम स्कंध पूर्वार्द्ध (पद संख्या 615 से 635 तक) सं. नंददुलारे वाजपेयी।

इकाई-4

- सूरदास का जीवन और रचना संसार
- सूरदास और हिंदी सगुण भक्तिकाव्य

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ –

1. सूर साहित्य, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हिंदी साहित्य समिति, 1993ई.
2. सूर विमर्श, राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्य भवन प्रा.लि., 1984ई.
3. महाकवि सूरदास- एक पुनश्चिंतन, डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा, स्मृति प्रकाशन, 1975ई.
4. सूर की काव्य चेतना, बलराम तिवारी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, 2001ई.
5. सूरसागर(दो भाग), सं. नंददुलारे वाजपेयी, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 2009वि.
6. सूरदास, रामचंद्र शुक्ल, साहित्य सरोवर ओरिजिनल, 2024ई.

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
ग्यारहवां प्रश्नपत्र – तुलसीदास (विकल्प-2)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1

- सगुण भक्ति : अवधारणा और स्वरूप
- रामकाव्य की परम्परा और उसका विकास

इकाई-2

- तुलसीदास का जीवन और रचना संसार
- तुलसीदास और हिंदी रामकाव्य परंपरा

इकाई-3

- रामचरितमानस – अयोध्याकाण्ड
- कवितावली – उत्तरकाण्ड

इकाई-4

- तुलसीदास की भक्ति, तुलसी के राम, लोकमंगल, समन्वयवादी चेतना, युगबोध, तुलसी की भाषा

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. श्रीरामचरितमानस (मूल ग्रंथ) - गोस्वामी तुलसीदास,गीता प्रेस, गोरखपुर
2. तुलसी-काव्य-मीमांसा - डॉ. उदयभान सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन
3. लोकवादी तुलसीदास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन
4. तुलसीदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा
5. कवितावली (व्याख्या सहित) - आचार्य रामनरेश त्रिपाठी, हिंदी मंदिर
6. मानस-दर्शन - डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र, गीता प्रेस, गोरखपुर
7. गोस्वामी तुलसीदास और उनका साहित्य - डॉ. भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन
8. तुलसी के काव्यादर्श - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
9. तुलसी का जीवन दर्शन - डॉ. शिवप्रसाद सिंह: लोकभारती प्रकाशन
10. रामचरितमानस (अयोध्याकांड टीका) - डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन
11. तुलसी आधुनिक वातायन से- रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

बारहवां प्रश्नपत्र – जनपदीय साहित्य (विकल्प-1)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1 :

- गढ़वाली का उद्भव एवं विकास

इकाई-2 :

- गढ़वाली साहित्य का उद्भव एवं विकास
- सदेई - पं. तारादत्त गैरोला (प्रारंभ के 20 छंद)

इकाई-3 :

- सिंहनाद - भजन सिंह (प्रारंभ के 20 छंद), (सिंह ग्रंथावली, सं. यशवंत सिंह कटौच, विनसर पब्लिकेशेन में संकलित
- भुगत्यूँ भविष्य (उपन्यास) अबोध बंधु बुहुगुणा

इकाई-4 :

- जोनि पर छापू किले (कहानी) मोहन लाल नेगी
- खाडू लापता (नाटक) ललित मोहन थपलियाल
- क्या गोरी क्या सौंली (निबंध) डॉ. गोविंद चातक

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. गढ़वाल का इतिहास हरिकृष्ण रतूड़ी, समयसाक्ष्य प्रकाशन, 2021
2. गढ़वाली भाषा और साहित्य डॉ. हरिभट्ट शैलेश, तक्षशिला प्रकाशन, 2023
3. गढ़वाली साहित्य का उद्भव और विकास डॉ. गोंविद चातक,
4. गढ़वाली लोकसाहित्य की प्रस्तावना, मोहनलाल बाबुलकर, भागीरथी प्रकाशन, 2004
5. गढ़वाली भाषा और व्याकरण - सुरेश ममगाई, विनसर पब्लिशिंग कंपनी देहरादून, 2016
6. गढ़वाल संस्कृति भाषा एवं साहित्य सुरेश ममगाई,
7. गढ़वाली भाषा और साहित्य, डॉ. सृजना राणा, संभावना प्रकाशन,

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

बारहवां प्रश्नपत्र – कंप्यूटर एवं हिंदी (विकल्प-2)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1: हिंदी और कंप्यूटर : एक परिचय

- कंप्यूटर की मूल संरचना और कार्यप्रणाली (हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर)
- डिजिटल युग में हिंदी भाषा का विकास
- हिंदी कंप्यूटिंग का इतिहास
- हिंदी कंप्यूटिंग का वर्तमान परिदृश्य

इकाई-2 हिंदी भाषा एवं प्रौद्योगिकी

- हिंदी टेक्स्ट एडिटर्स (एम.एस.वर्ड)
- हिंदी वेब पेज डिज़ाइन और ब्लॉगिंग (वर्डप्रेस और ब्लॉगर)
- हिंदी और सोशल मीडिया प्रौद्योगिकी

इकाई-3: देवनागरी लिपि और कंप्यूटर

- हिंदी ई-बुक्स और डिजिटल लाइब्रेरी
- हिंदी के विभिन्न फॉन्ट्स (कृतिदेव, मंगल, अपराजिता)
- हिंदी वर्तनी एवं व्याकरण सुधारक (स्पेल चेक टूल्स)

इकाई-4:

- यूनिकोड और हिंदी टंकण उपकरण (इनस्क्रिप्ट, फोनेटिक, गूगल इनपुट टूल्स)
- हिंदी में वॉयस टाइपिंग और स्पीच-टू-टेक्स्ट
- कंप्यूटर में हिंदी की संभावनाएं एवं चुनौतियां
- हिंदी पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया में संभावनाएं
- शिक्षण के क्षेत्र में संभावनाएं
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं हिंदी
- कंप्यूटर में हिंदी की विभिन्न चुनौतियां

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हरिमोहन: कंप्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 2015
2. हरिमोहन आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 2018
3. विजय कुमार मल्होत्रा कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 2023
4. संतोष गोयल हिंदी भाषा और कंप्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, श्री नटराज प्रकाशन, 2008
5. पीके शर्मा कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतीकरण और भाषा सिद्धांत, डायनेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली, डायनमिक पब्लिकेशन, 2011
6. द्विवेदी, संजय (संपादक) सोशल नेटवर्किंग नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, दिल्ली, 2013

एम॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर

तेरहवां प्रश्नपत्र - हिमालयी साहित्य एवं संस्कृति

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1

- हिमवान – गोस्वामी तुलसीदास।
- मातृभूमि – मैथिलीशरण गुप्त।

इकाई-2

- हिमालय – जयशंकर प्रसाद।
- हिमाद्रि – सुमित्रानंदन पंत।

इकाई-3

- हिमालय – चंद्रकुंवर बर्त्वाल।
- वीरों का कैसा हो बसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान।

इकाई-4

- हिमालय के प्रति – रामधारी सिंह दिनकर।
- दूर्वांचल – अज्ञेय।
- बादल को घिरते देखा है – नागार्जुन।

निर्देश – उपरोक्त कविताएं महादेवी वर्मा द्वारा संपादित पुस्तक 'हिमालय' से ली गई हैं।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या भाग सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिमवान – गोस्वामी तुलसी दास– (रामचरित मानस– गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण–2014)
2. मातृभूमि– (मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली–1, संपादक– कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2008
3. हिमालय परिचय– राहुल सांकृत्यायन, ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, संस्करण–2025
4. रामचरितमानस – गोस्वामी तुलसी दास– गीता प्रेस, गोरखपुर, संस्करण–2014
5. काव्य प्रसंग और काव्य संहिता – चंद्रकुंवर बर्त्वाल।
6. हिमालय गाथा– देव परंपरा सुदर्शन वशिष्ट, किताबघर प्रकाशन, संस्करण–2007
7. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र– शरण कुमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2020
8. हिमोत्कर्ष – डॉ॰ शिवानंद नौटियाल।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
चौदहवां प्रश्नपत्र - हिंदी आलोचना

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1 :

- आलोचना की अवधारणा और स्वरूप।
- आलोचनात्मक दृष्टियां : व्यक्तिवादी, तुलनात्मक, ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, मार्क्सवादी एवं प्रगतिशील, भाषावैज्ञानिक तथा शैलीविज्ञान आलोचना।

इकाई-2 :

- महावीर प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि।
- श्यामसुंदर दास की आलोचना दृष्टि।
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि।

इकाई-3 :

- नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना दृष्टि।
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि।
- डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना दृष्टि।

इकाई-4 :

- डॉ. नगेंद्र की आलोचना दृष्टि।
- नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि।
- रामस्वरूप चतुर्वेदी की आलोचना दृष्टि।

नोट – संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी आलोचना– विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2019
2. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी – निर्मल जैन – राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण–2006
3. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण–2019
4. समकालीन हिंदी आलोचक और आलोचना – डॉ. रामबक्ष, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला, संस्करण–2017
5. समकालीन हिंदी आलोचना – परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, संस्करण–2021
6. हिंदी आलोचना का विकास – नन्द किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2012
7. आधुनिकता और हिंदी आलोचना – इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–1975
8. हिंदी आलोचना की सैद्धांतिकी – विनोद शाही, आधार प्रकाशन, संस्करण–2018

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
पंद्रहवां प्रश्नपत्र - आधुनिक हिंदी कविता

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1

- मैथिलीशरण गुप्त - साकेत - नवम सर्ग (साकेत, लोकभारती प्रकाशन, 2020)
- माखनलाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषा

इकाई-2

- जयशंकर प्रसाद – कामायनी- आनंद सर्ग (कामायनी, लोकभारती प्रकाशन, 2008)
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – कुकुरमुत्ता (कुकुरमुत्ता, लोकभारती प्रकाशन, 2023)

इकाई-3

- नागार्जुन- गाँधी (नागार्जुन रचना संचयन, सं. राजेश जोशी, साहित्य अकादमी में संकलित)
- अज्ञेय - नदी के द्वीप। (हरी घास पर क्षण भर, अज्ञेय, प्रगति प्रकाशन,1949, नई दिल्ली में संकलित)

इकाई-4

- मुक्तिबोध- ब्रह्म राक्षस (चाँद का मुँह टेढ़ा है, अनन्य प्रकाशन, 2016)
- राजेश जोशी - चाँद की वर्तनी (चाँद की वर्तनी, राजकमल प्रकाशन, 2019 में संकलित)

नोट- संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, 2008
2. नई कविता और अस्तित्ववाद रामविलास शर्मा, राजपाल पब्लिशिंग, 2003
3. समकालीन हिंदी कविता, परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, 2021
4. कविता के नए प्रतिमान नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, 1968
5. आधुनिक हिंदी काव्य डॉ. सत्यनारायण सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2012
6. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, नंदकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, 2023

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
सोलहवां प्रश्नपत्र - हिंदी नाटक एवं रंगमंच

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई–01

- नाटक, उद्भव, अवधारणा एवं विकास
- रंगमंच, उद्भव, अवधारणा एवं विकास
- नाटक एवं रंगमंच का संबंध

इकाई–02

- भारत दुर्दशा – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद

इकाई–03

- आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
- बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इकाई–04

- एक और द्रोणाचार्य – शंकरशेष
- महाभोज – मन्नू भंडारी

1. भारत दुर्दशा – भारतेन्दु हरिश्चंद्र, प्रभाकर प्रकाशन, संस्करण–2022
2. स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2022
3. आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश, राजपाल एण्ड संस, संस्करण–1997
4. बकरी – सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2020
5. एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष, रावत प्रकाशन, संस्करण–2012
6. महाभोज – मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण–2022

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिंदी नाटक और उद्भव और विकास, डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, संस्करण–2014
2. हिंदी नाटक, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, संस्करण–2008
3. रंगमंच और नाटक की भूमिका, लक्ष्मीनारायण लाल, नई किताब प्रकाशन संस्करण – 2025
4. भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच – डॉ0 अनीता देवी, श्री नटराज प्रकाशन, संस्करण – 2024
5. नाटक और रंगमंच के विविध आयाम, हरीश अरोड़ा, साहित्य संचय, संस्करण – 2016

एम॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर

सत्रहवां प्रश्नपत्र - जयशंकर प्रसाद (विकल्प–01)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1 : काव्य

- चिंता सर्ग, इड़ा सर्ग (कामायनी)।
- आँसू (प्रारंभ के 30 छंद)।

इकाई-2 : कहानी

- आकाशदीप
- शरणागत
- ममता
- पुरस्कार
- भिखारिन

इकाई-3 : उपन्यास

- तितली

इकाई-4 : नाटक

- चंद्रगुप्त
- ध्रुवस्वामिनी

1. चिंता सर्ग, इड़ा सर्ग (कामायनी) राजपाल एण्ड संस, संस्करण – 2015
2. आँसू (प्रारंभ के 30 छंद), साहित्य सरोवर पब्लिशर, संस्करण – 2021
3. आकाशदीप, जयशंकर प्रसाद – प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2013
4. शरणागत, जयशंकर प्रसाद – प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2013
5. ममता, जयशंकर प्रसाद – प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2013
6. पुरस्कार जयशंकर प्रसाद – प्रतिनिधि कहानियाँ, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2013
7. भिखारिन, जयशंकर प्रसाद – जयशंकर प्रसाद ग्रंथावली, संपादक – सत्य प्रकाश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण–2010
8. तितली, जयशंकर प्रसाद, शिवांक प्रकाशन, संस्करण–2024
9. चंद्रगुप्त, जयशंकर प्रसाद, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2012
10. ध्रुवस्वामिनी, जयशंकर प्रकाशन, पेंगुइन बुक्स, संस्करण–2019

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2024
2. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि– डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, संस्करण–2020
3. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन– डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना, आगरा विनोद पुस्तक मंदिर, संस्करण–1971
4. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पेपरबैक, संस्करण–2024
5. छायावाद के आधार स्तम्भ – गंगा प्रसाद पांडे, लिपि प्रकाशन, संस्करण–1991
6. छायावाद – पुनर्मूल्यांकन, सुमित्रानंदन पंत

एम॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर

सत्रहवां प्रश्नपत्र - चंद्रकुंवर बर्त्वाल (विकल्प–02)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1 :

- विराट ज्योति (काव्य–संग्रह)।

इकाई-2 :

- मेघनंदिनी (प्रथम 30 छंद)।

इकाई-3 :

- काफल–पाक्कू (काव्य संग्रह)।

इकाई-4 :

- कंकड़–पत्थर (प्रथम 15 कविताएं)।

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. छायावाद के आधार स्तम्भ – गंगाप्रसाद पांडे, लिपि प्रकाशन, संस्करण–1991
2. छायावाद – डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2024
3. छायावाद के गौरव चिन्ह – श्रीपाल सिंह क्षेप, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, संस्करण–1956
4. चंद्रकुँवर काव्य प्रसंग और काव्य संहिता – श्रीकण्ठ।
5. आधुनिक काव्य यात्रा – डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण – 2015

एम॰ए॰ तृतीय सेमेस्टर

अठारहवां प्रश्नपत्र - हिंदी यात्रा साहित्य (विकल्प–01)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1 :

- यात्रा साहित्य : अर्थ एवं स्वरूप
- यात्रा साहित्य : उद्‌भव और विकास
- यात्रा साहित्य : उदेश्य

इकाई-2 :

- हिंदी यात्रा साहित्य का स्वरूप
- हिंदी यात्रा साहित्य का क्रमिक विकास
- हिंदी के प्रमुख यात्रा साहित्यकारों का परिचय

इकाई-3 :

- हिंदी यात्रा साहित्य का आरम्भ
- स्वतन्त्रतापूर्व हिंदी यात्रा साहित्य
- स्वातंत्र्योतर हिंदी यात्रा साहित्य
- साहित्यिक विधा के रूप में यात्रा साहित्य

इकाई-4 :

- सतमी के बच्चे - राहुल सांकृत्यायन
- हिमालय के यायावर - डॉ.श्याम सिंह शशि
- चीड़ो पर चांदनी - निर्मल वर्मा

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. यात्रा साहित्य का उद्‌भव और विकास – डॉ॰ सुरेंद्र माथुर।
2. घुम्मकड़ शास्त्र – राहुल सांकृत्यायन।
3. यात्रा का आनंद – काका साहब कालेलकर।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

अठारहवां प्रश्नपत्र - सर्जनात्मक लेखन (विकल्प–02)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1 : रचनात्मक लेखन अवधारणा एवं स्वरूप

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियां
- लेखन के विविध रूप : मौखिक, लिखित, गद्य–पद्य, कथानक, कलेवर, नाट्य–पाठ्य, मुद्रित–इलेक्ट्रॉनिक आदि
- लोकप्रिय संस्कृति एवं अपसंस्कृति
- बाजार संस्कृति एवं संचार माध्यम

इकाई-2 : सूचनातंत्र के लिए लेखन

- रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म तथा टेलीविजन–पटकथा लेखन
- प्रिंट माध्यम : फीचर–लेखन, यात्रा–वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक–समीक्षा

इकाई-3 :

- रंगमंच और पत्रकारिता
- चित्रकला संवाद लेखन और समीक्षा
- शिल्पकला और स्थापत्य कला, संवाद–लेखन तथा समीकरण

इकाई-4 : विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन

- कविता–संवेदना : काव्यरूप, भाषा सौष्ठव, छंद
- कथा–साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श
- नाट्य–साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म

इकाई-4 : विविध गद्य–विधाएं

- निबंध, व्यंग्य
- संस्मरण, रिपोर्ताज आदि
- स्तंभ–लेखन
- साक्षात्कार

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. साहित्य चिंतन, रचनात्मक आयाम – रघुवंश, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, संस्करण–1996
2. रचनात्मक लेखन – रमेश गौतम, ज्ञानपीठ वाणी प्रकाशन–2008
3. शैली – रामचन्द्र मिश्र
4. कविता से साक्षात्कार – मलयज, संभावना प्रकाशन, संस्करण–1979
5. कविता : रचना प्रक्रिया – कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, संस्करण–2018
6. सृजनशीलता और सौंदर्यबोध – निशा अग्रवाल
7. उपन्यास की संरचना – गोपाल राय, मेधा पब्लिशिंग हाउस, संस्करण–2006
8. रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, संस्करण–2016

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
उन्नीसवां प्रश्नपत्र - प्रयोजनमूलक हिंदी

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1

- प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप– सर्जनात्मक भाषा, संचार, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
- कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य– पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लव, टिप्पण, पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप एवं महत्त्व, अनुवाद एवं विभिन्न क्षेत्रों का परिचय।

इकाई-2

- हिंदी कंप्यूटिंग– कंप्यूटर परिचय, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग, प्रमुख ब्राउजर, ई–मेल उपयोगिता और कार्यप्रणाली, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी के प्रमुख सॉफ्टवेयर।
- पत्रकारिता स्वरूप, प्रकार एवं वि ोशताएं, हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, संपादन के आधारभूत तत्त्व, प्रूफ शोधन।

इकाई-3

- जनसंचार प्रौद्योगिकी, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का परिचय एवं वि ोशताएं : मुद्रण, श्रव्य, दृ य माध्यम, इंटरनेट।
- मुद्रण माध्यम : समाचार लेखन कला, शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो, संपादकीय लेखन, पृष्ठ–सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकारवार्ता एवं प्रेस–प्रबंधन

इकाई-4

- श्रव्य माध्यम (रेडियो) : श्रव्य माध्यम की भाशा प्रकृति, श्रव्य माध्यम के लिए समाचार लेखन, उद्घोशण लेखन, रेडियो नाटक।
- दृश्य–श्रव्य माध्यम (टेलीविजन एवं इंटरनेट)– दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, पार्श्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन, साहित्य के माध्यम से दृश्य माध्यमों में रुपांतरण।

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी कार्मिक (प्रयोजनमूलक हिंदी)– डॉ॰ शंकर 'क्षेम' एवं डॉ॰ कंचन शर्मा, प्रकाश बुक डिपो, बरेली।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली, संस्करण–2019
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2016
4. प्रारूपण टिप्पण और प्रूफपठन– डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2018
5. कामकाजी हिंदी – डॉ॰ कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2021
6. कंप्यूटर और हिंदी – डॉ॰ हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2023
7. जनसंपर्क प्रचार एवं विज्ञान– विजय कुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन, 2008

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

बीसवां प्रश्नपत्र - हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1

- विचारधारा और साहित्य
- मध्ययुगीन बोध
- भक्ति आंदोलन एवं भक्तिकाल की सामाजिक परिस्थिति

इकाई-2

- आधुनिक बोध
- भारतेंदु एवं द्विवेदी युग का काव्य
- स्वाधीनता आंदोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि

इकाई-3

- स्वच्छंदतावाद (रोमांटिज्म)
- मनोविश्लेषणवाद, मार्क्सवाद
- गांधीवाद (सत्य, अहिंसा और स्वराज)

इकाई-4

- दलित चेतना
- स्त्री–विमर्श
- आदिवासी, किन्नर विमर्श

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य वैचारिक पृष्ठभूमि – डॉ. लालचंद गुप्त 'मंगल', हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला, 2012
2. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2025
3. आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द – बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2018
4. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, संस्करण–2024
5. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2008

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
इक्कीसवां प्रश्नपत्र - समकालीन हिंदी कविता

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1 समकालीन हिंदी कविता : संदर्भ एवं प्रकृति

इकाई-2 समकालीन हिंदी कविता की विशेषताएँ

इकाई-3 प्रमुख समकालीन कवि – पाठ एवं आलोचना

कुँवर नारायण

- 'तुम्हें खोकर मैंने जाना' ('वाजश्रवा के बहाने', भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'शब्दों का परिसर'('वाजश्रवा के बहाने', भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

चंद्रकांत देवताले

- 'पुनर्जन्म', ('लकड़बग्घा हंस रहा है', संभावना प्रकाशन, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'माँ जब खाना परोसती है' ('चंद्रकांत देवताले प्रतिनिधि कविताएं', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

धूमिल

- 'रोटी और संसद', ('कल सुनना मुझे', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'मोचीराम' ('संसद से सड़क तक', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

- 'उड़ गई माँ' ('आखर अनंत', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'आखर अनंत' ('आखर अनंत', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, ,काव्य संग्रह में संकलित)

अशोक बाजपेयी

- 'प्रेम के लिए जगह' ('थोड़ी सी जगह', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य में संकलित)
- 'अरण्य' ('कहीं नहीं वहीं', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

राजेश जोशी

- 'माँ कहती है' ('एक दिन बोलेंगे पेड़ भी', संभावना प्रकाशन, हापुड़, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'जन्म' ('नेपथ्य में हंसी', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

मंगलेश डबराल

- 'घर शांत है' ('हम जो देखते हैं', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'घर' ('पहाड़ पर लालटेन', राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)

बद्री नारायण

- 'प्रेमपत्र' ('उर्वर प्रदेश', संपादक – अन्विता अब्बी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित)
- 'विश्वास' ('शब्दपदीयम', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, काव्य संग्रह में संकलित

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ-ग्रंथ

1. 'समकालीन हिंदी कविता', विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, संस्करण–2010
2. 'समकालीन हिंदी कविता', संपादक - डॉ एन. मोहनन, राजपाल एंड संस प्रकाशन, संस्करण–2022
3. 'समकालीन हिंदी कविता', संचयन एवं संपादन - आलोक गुप्त, हिंदी साहित्य अकादमी, गांधीनगर, गुजरात, संस्करण - 2011
4. 'समकालीन हिंदी कविता का परिप्रेक्ष्य और नवगीत', डॉ शंभूनाथ सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
5. 'समकालीन हिंदी कविता का निहितार्थ', डॉ मृत्युंजय उपाध्याय, तक्षशिला प्रकाशन, संस्करण–2019
6. 'समकालीन हिंदी कविता का देशांतर', डॉ. चंद्रकांत सिंह, अनामिका प्रकाशन, संस्करण–2023
7. 'समकालीन हिंदी कविता', संपादक - परमानंद श्रीवास्तव, हिंदी साहित्य अकादमी, संस्करण–2010
8. 'समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में', डॉ शशि शर्मा, पेंगुइन बुक्स प्रकाशन, संस्करण -1955
9. 'समकालीन कविता का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन', डॉ मनु शर्मा
10. 'समकालीन कविता और सौंदर्य बोध', लेखक रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2022
11. 'समकालीन हिंदी कविता की भाषिक संरचना', डॉ. सीमा जैन, अस्तित्व प्रकाशन।
12. 'समकालीन कविता और भारतीय चेतना', कुन्दन माली, सुभद्रा प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण–2016
13. 'समकालीन हिंदी कविता प्रवृत्तियां और अभिव्यक्तियां', डॉ अवनीश कुमार अस्थाना, गोयल प्रकाशन, संस्करण-2019
14. 'समकालीन कविता में छंद', सम्पादक - सच्चिदानंद वात्स्यायन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस प्रकाशन, संस्करण–1987
15. 'समकालीन हिंदी कविता ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' (1980-2000), लेखक ओम निश्चल, विजया बुक प्रकाशन।
16. 'समकालीन हिंदी कविता और मंगलेश डबराल', डॉ उमेश अशोक शिंदे, चंद्रलोक प्रकाशन, संस्करण–2021
17. 'विचारधारा नए विमर्श और समकालीन कविता', जितेंद्र श्रीवास्तव, किताब घर प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण–2013
18. 'समकालीन हिंदी कविता में मूल्यबोध', डॉ प्रदीप कुमार मीणा, गीता प्रकाशन, संस्करण–2017
19. 'समकालीन कविता का जनतंत्र', अरुण होता, सेतु प्रकाशन, संस्करण–2026
20. 'समकालीन हिंदी कविता', डॉ. देशराज भाटी, साहित्य मंदिर प्रकाशन, संस्करण–1972
21. समकालीन हिंदी कविता का स्त्री पक्ष, डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह, संस्करण–2024
22. समकालीन काव्य यात्रा, ननद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2004
23. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, ननद किशोर नवल, ज्ञानपीठ वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2023

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
बाईसवां प्रश्नपत्र - लोक साहित्य (1)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 05

इकाई-1

- लोक : अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा
- लोक वार्ता और लोक विज्ञान
- लोक संस्कृति की अवधारणा, लोक संस्कृति और लोक साहित्य

इकाई-2

- लोक और लोक साहित्य का अंतःसंबंध
- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास
- लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएं

इकाई-3

- लोकगीत : स्वरूप एवं महत्व
- लोकगाथा : स्वरूप एवं महत्व
- लोकनाट्य : अर्थ, परिभाषा, प्रभाव

इकाई-4

- लोककथा : स्वरूप एवं महत्व
- लोकभाषा : उत्पत्ति एवं विकास
- लोकसंगीत : प्रमुख प्रकार

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय लोक संस्कृति का संदर्भ : मध्य हिमालय – गोविंद चातक।
2. लोक साहित्य के प्रतिमान : डॉ. कुंदन लाल उप्रेती।
3. लोक साहित्य : सिद्धांत और प्रयोग – डॉ. श्रीराम शर्मा।
4. लोक साहित्य की रूपरेखा – डॉ. कृष्णचंद्र शर्मा।
5. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सतेंद्र।

एम॰ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर
बाईसवां प्रश्नपत्र - लघुशोध (2)

पूर्णांक = 100
क्रेडिट = 05

निर्देश :

1. लघुशोध प्रबंध का विकल्प केवल वही छात्र/छात्राएं चुन सकेंगे, जिन्होंने प्रथम दो सेमेस्टरों में 60 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किए हों।
2. एम॰ए॰ द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा परिणाम घोषित होने के उपरांत इच्छुक छात्र/छात्राएं अविलंब विभागाध्यक्ष से संपर्क करेंगे, जहां समस्त विभागीय सदस्यों से परामर्श के उपरांत अग्रिम कार्रवाई संपन्न की जाएगी।
3. लघुशोध प्रबंध का विषय छात्र/छात्रा द्वारा विभागाध्यक्ष/लघुशोध निर्देशक के परामर्श पर चुना जाएगा।
4. मूल्यांकन से पूर्व पुस्तकालय से **Plagiarism Report** लघुशोध प्रबंध के साथ जमा करना अनिवार्य है।
5. लघुशोध प्रबंध का मूल्यांकन एक बाह्य परीक्षक के साथ संयुक्त रूप से किया जाएगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम :

हिंदी साहित्य के किसी भी विषय पर लघुशोध किया जा सकता है, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार होगा–

1. लघुशोध मूल्यांकन – 60 अंक।
2. नियतकालीन प्रस्तुतीकरण – 20 अंक।
3. मौखिकी – 20 अंक।

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

तेईसवां प्रश्नपत्र - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (विकल्प–1)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई 1 – व्यक्तित्व एवं कृतित्व

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जीवन परिचय
- निराला का रचना संसार
- छायावाद और निराला
- निराला की वैचारिक चेतना – मानवतावाद, विद्रोह एवं प्रगतिशील दृष्टि

इकाई 2 – निराला की प्रमुख कविताएँ

- जूही की कली
- भिक्षुक
- सरोज स्मृति
- वह तोड़ती पत्थर
- राम की शक्ति पूजा

इकाई 3 – निराला का काव्य : संवेदना एवं शिल्प

- निराला की काव्य–दृष्टि
- प्रकृति चित्रण एवं सौंदर्य–बोध
- राष्ट्रीय चेतना एवं सामाजिक सरोकार
- करुणा, विद्रोह और मानवीय संवेदना
- मुक्तछंद और काव्य–भाषा की नवीनता

इकाई 4 – निराला का गद्य साहित्य

- उपन्यास बिल्लेसुर बकरिहा (1941) : कथानक एवं अन्तर्वस्तु का विश्लेषण
- बिलासुर बकरिहा का औपन्यासिक ि ाल्प
- कहानी : 'लिली' और 'न्याय' का कथानक एवं अन्तर्वस्तु का विश्लेषण
- 'लिली' और 'न्याय' कहानी का कथा–ि ाल्प

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से व्याख्या सहित दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन।
3. निराला की काव्य साधना : वीणा भार्मा, हिंदी साहित्य संसार।
4. महाप्राण निराला पुनर्मूल्यांकन – डॉ प्रेमशंकर त्रिपाठी, श्री बड़ाबाजार कुमार सभा पुस्तकालय, कलकत्ता।
5. परिमल : कविता संग्रह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. अनामिका, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. गीतिका, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, कविता संग्रह, राजपाल एंड संस।
8. राम की शक्ति पूजा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. सरोज स्मृति, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, लोकभारती प्रकाशन।
10. उपन्यास : बिल्लेसुर बकरिहा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।

तेईसवां प्रश्नपत्र - गौरा पंत 'शिवानी' (विकल्प–2)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

1. इकाई

उपन्यास

1. चौदह फेरे
2. सुरंगमा

2. इकाई

कहानी

1. लाल हवेली
2. लाटी
3. धुआँ

3. इकाई

संस्मरण- 1. अरुंधती

यात्रावृत- 1. यात्रिक

4. इकाई

आत्मकथा- 1. सुनहुँ तात यह अकथ कहानी

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का गद्य साहित्य- डॉ. रामचन्द्र तिवारी , विश्वविद्यालय प्रकाशन ,2025
2. शिवानी के उपन्यासों मे चित्रित समसामयिक समस्याएं- डॉ. अजीर भील, विकास प्रकाशन, 2023
3. शिवानी के कथा साहित्य मे सौंदर्य बोध- डॉ. सविता, नमन प्रकाशन, 2021
4. शिवानी के कथा साहित्य मे संवेदना और शिल्प- डॉ. पंकज वीरवाल,सुभद्रा पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2016

चौबीसवां प्रश्नपत्र - भारतीय साहित्य (विकल्प–01)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1

- भारतीय साहित्य की संकल्पना।
- भारतीय साहित्य का परिचय।
- भारतीय साहित्य का स्वरूप।

इकाई-2

- भारतीय साहित्य के आधार तत्व।
- भारतीय साहित्य के अध्ययन की विशेषताएं।
- भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब।

इकाई-3

- भारतीयता का समाजशास्त्र।
- आधुनिकता पूर्व भारतीय साहित्य।
- भारतीय साहित्य का सामासिक रूप।

इकाई-4

- हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
- आधुनिक भारतीयेत्तर साहित्य।
- भारतीय साहित्य के प्रमुख आंदोलन।

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय साहित्यकोश – डॉ0 नगेन्द्र, नागरिणी प्रचारिणी सभा, काशी, संस्करण–2015
2. भारतीय इतिहास की समस्याएं – रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, संस्करण–2015
3. भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2017
4. हिंदी साहित्य का उद्‌भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, संस्करण–2015
5. आज का भारतीय साहित्य, प्रभाकर माचवे, साहित्य अकादमी, संस्करण–1959
6. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास , डॉ0 नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, संस्करण–2009

चौबीसवां प्रश्नपत्र - हिंदी भाषा शिक्षण (विकल्प–02)

पूर्णांक = 100
मुख्य परीक्षा = 60
आंतरिक परीक्षा = 40
क्रेडिट = 04

इकाई-1

- भाषा शिक्षण : उद्देश्य और स्वरूप, भाषा शिक्षण के विविध आयाम : भाषा और शिक्षण का सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक संदर्भ, मातृभाषा–शिक्षण, द्वितीय भाषा–शिक्षण, विदेशी भाषा–शिक्षण।
- भाषा शिक्षण : उद्देश्य और स्वरूप, भाषा शिक्षण के विविध आयाम : भाषा और शिक्षण का सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक संदर्भ, मातृभाषा–शिक्षण, द्वितीय भाषा–शिक्षण, विदेशी भाषा–शिक्षण।
- भाषा–शिक्षण की विधियां : भाषा अधिनियम और भाषा शिक्षण, भाषा–शिक्षण की प्रविधियां : व्याकरण, अनुवाद विधि, वार्तालाप विधि, सांचा अभ्यास विधि, श्रव्य–दृश्य विधि।

इकाई-2

- भाषा–कौशल और उनका विकास : श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन कौशल का स्वरूप और उनमें योग्यता–प्राप्ति के विविध सोपान।
- भाषा–शिक्षण में उपयोगी साधन–सामग्री औपचारिक भाषा शिक्षण, नक्शे, चार्ट, चित्र, भाषा–प्रयोगशाला, अनौपचारिक भाषा–शिक्षण, आकाशवाणी, सिनेमा, दूरदर्शन आदि।

इकाई-3

- लेखन–दक्षता : लिपि, वर्तनी, लेखन विकास और पांच चरण, सभी चरणों का अभ्यास, अशुद्धियां, सहायक सामग्री।
- अभिव्यक्ति दक्षता : सैद्धांतिक पक्ष, विकास के पांच चरण, सभी चरणों के अभ्यास, अशुद्धियां, सहायक सामग्री।

इकाई-4

- भाषा का सामाजिक, सांस्कृतिक संदर्भ : भाषा और संस्कृति, भाषा और परिवेश, सहायक पुस्तकें।
- भाषा–परीक्षण एवं मूल्यांकन की संकल्पना, मूल्यांकन के प्रकार, मूल्यांकन पद्धति, एकल मूल्यांकन और समग्र मूल्यांकन, मूल्यांकन में श्रुत – लेख एवं निकट (परीक्षण)।

नोट : संपूर्ण पाठ्यक्रम से दीर्घ एवं लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – ब्रजेश्वर वर्मा
2. भाषा मूल्यांकन तथा परीक्षण – किशन लाल शर्मा, केन्द्रीय हिंदी संस्थान।
3. हिंदी भाषा शिक्षण – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताबमहल प्रकाशन, संस्करण–2004
4. हिंदी भाषा शिक्षण – डॉ0 रंगनाथ पाठक, कनिष्का प्रकाशन, संस्करण–2017